

西北少數民族文獻 第九卷

中國西北文獻叢書



中國西北文獻叢書·第五輯

西北少數民族文字文獻

第九卷

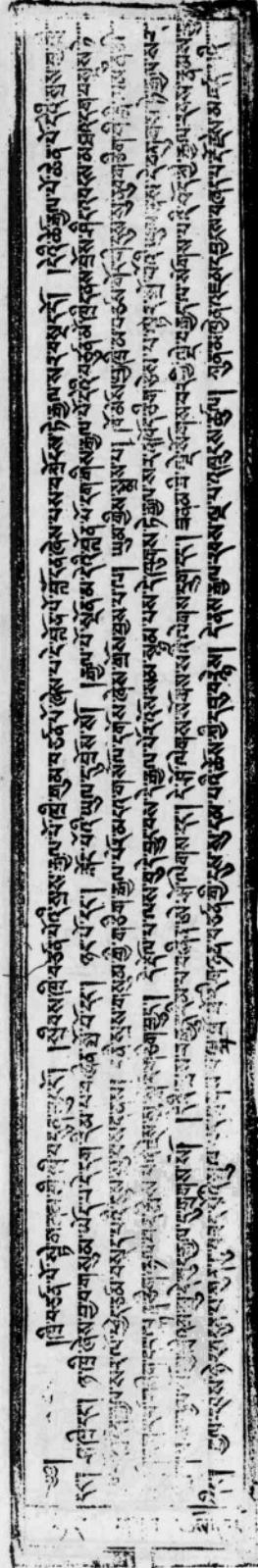
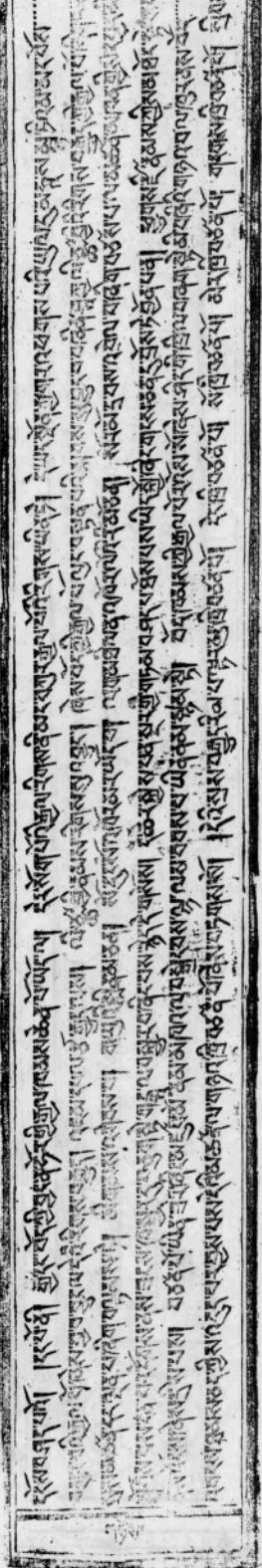


२२७  
गोपनीय श्रीमद्भुत्तराम देवता के पूजन का अवलोकन

३५





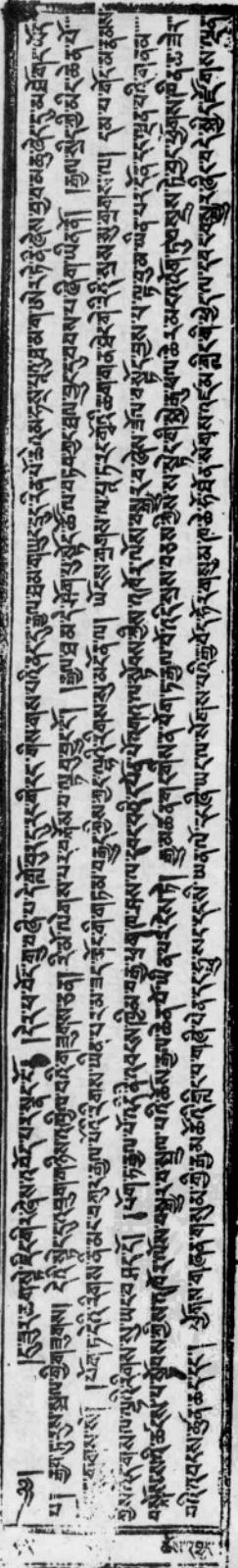
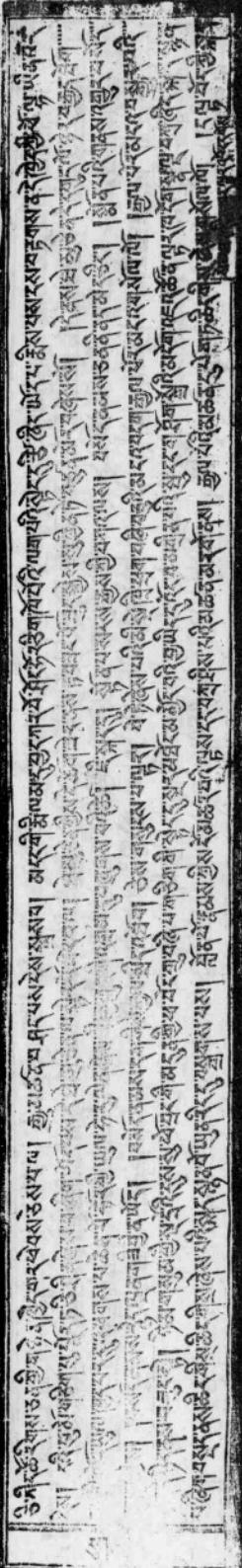






दुष्टविकारे देवता करने वाले जीवन का संसार यह है। इसी विकार की वजह से जीवन का अपना अपना विकार हो जाता है। इसी विकार की वजह से जीवन का अपना अपना विकार हो जाता है। इसी विकार की वजह से जीवन का अपना अपना विकार हो जाता है। इसी विकार की वजह से जीवन का अपना अपना विकार हो जाता है।

प्राणी विकार की वजह से जीवन का अपना अपना विकार हो जाता है। प्राणी विकार की वजह से जीवन का अपना अपना विकार हो जाता है। प्राणी विकार की वजह से जीवन का अपना अपना विकार हो जाता है। प्राणी विकार की वजह से जीवन का अपना अपना विकार हो जाता है। प्राणी विकार की वजह से जीवन का अपना अपना विकार हो जाता है।









११  
 अप्येति इति प्रवचना दिव्यामृतं पुष्पम् परम्  
 यतान्न पुष्पम् ब्रह्मा ब्रह्मा ब्रह्मा ब्रह्मा  
 एव शक्तया समोऽस्मिन् लक्षणं कुम्हारं  
 अप्येति इति प्रवचना दिव्यामृतं पुष्पम्  
 यतान्न पुष्पम् ब्रह्मा ब्रह्मा ब्रह्मा ब्रह्मा

+  
 शक्तया ददृष्टा देवता इति च अस्मी  
 परम् परम् परम् परम् परम् परम् परम् परम्  
 यतान्न पुष्पम् ब्रह्मा ब्रह्मा ब्रह्मा ब्रह्मा  
 एव शक्तया समोऽस्मिन् लक्षणं कुम्हारं  
 अप्येति इति प्रवचना दिव्यामृतं पुष्पम्  
 यतान्न पुष्पम् ब्रह्मा ब्रह्मा ब्रह्मा ब्रह्मा



प्रियदर्शन का इसका दोहरायें चाहता है। अगली अवधि परवाना विद्युत की संवेदन के साथ लौटा है। विद्युत एवं बिजनेश्वर के लिए उनका लंबा समय है। अब उनका अभिभावक आवास लौटा है। लौटने के बाद विद्युत एवं बिजनेश्वर के लिए उनका लंबा समय है। अब उनका अभिभावक आवास लौटा है।

प्रियदर्शन का इसका दोहरायें चाहता है। अगली अवधि परवाना विद्युत की संवेदन के साथ लौटा है। विद्युत एवं बिजनेश्वर के लिए उनका लंबा समय है। अब उनका अभिभावक आवास लौटा है। लौटने के बाद विद्युत एवं बिजनेश्वर के लिए उनका लंबा समय है। अब उनका अभिभावक आवास लौटा है।





